ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–४२
दिनांक- मंगलवार, ०१ जून, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.2 एवं 23.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 75 प्रतिशत, हवा की औसत गति 15.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 28.5 एवं दोपहर में 35.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 49.8 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(02–06 जून, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 02–06 जून, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल छाये रह सकते हैं तथा कहीं –कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। ज्यादातर स्थानों पर मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 36–38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 26–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में मुख्यतः पूरवा हवा औसतन 10 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से रहने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- पिछले २–३ दिनों में उत्तर बिहार में भारी वर्षा हुई है, जिसके चलते खेतों में जल जमाव हो गया हो उस खेतों से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। कहीं–कहीं हल्की वर्षा की सम्भावना को देखते हुए रवी मक्का की दौनी एवं दाने सुखाने का कार्य सावधानी पूर्वक करें। मूंग एवं उरद् की तैयार फलियों की तुराई कर सकते है।
- हरी खाद के लिए सनई और ढ़ैचा की बुआई करें। ढ़ैचा के लिए बीज दर २५ कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें। मूंग, उरद की तुड़ाई के बाद हरी खाद हेतु उसके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से जमीन में गाड़ दें।
- किसान भाई धान का विचड़ा बीजस्थली में लगाने का काम शुरु करें। १० जून तक लम्बी अवधि वाले धान का विचड़ा गिराने का उपयुक्त समय है। १० से २५ जून तक मध्यम अवधि वाले धान का विचड़ा बोने के लिए अनुकूल समय है। जो किसान धान की सीधी बुआई करना चाहते है, वे लम्बी अवधि वाले धान की किस्म की बुआई अगले सप्ताह में कर सकते हैं, इसके लिए उनके पास सिंचाई की उचित व्यवस्था हो।
- अल्प अवधि वाले धान की किस्म एवं सुगंधित धान का किस्म का विचड़ा बीजस्थली में २० जून से १० जुलाई तक बोने के लिए अनुशंसित है। सुगंधित किस्मों का विचड़ा बीजस्थली में पहले से गिराने से उसकी सुगंध खत्म हो जाती है
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई–गुड़ाई करें। कीट–व्याधियों से फसल की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।
- खरीफ प्याज की खेती कें लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में गोबर की खाद अवश्य डाले। छोटी–छोटी उथली क्यारियों, जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। खरीफ प्याज के लिए एन०–५३, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर ८–१० कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रमाणित स्त्रोत से खरीदकर ही लगावें।
- भिंडी एवं बोरा जैसे फल वाली सब्जियों में भी नत्रजन का उपरिवेशन करें एवं कीट नियंत्रण हेतु मैलाथियान २ मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर ७–१० दिनों के अन्तराल पर फल तोड़ने के बाद दो बार छिड़काव करें। कद्दु वर्गीय सब्जियों में चूर्णिलअसिता के आक्रमण होने पर केराथेन १.५ ग्राम प्रति लीटर या २५ कि०लो० सल्फर पाउडर प्रति हेक्टेयर की दर भुरकाव करें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए मौसम अनुकुल है। इसके लिए सुआन, देवकी, शक्तिमान–१, शक्तिमान–२, राजेन्द्र संकर मक्का–३, गंगा–११ किस्मों की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। प्रति किग्रा० बीज को २.५ ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर २० किग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।

आज का अधिकतम तापमानः 31.7 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 5.7 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 25.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी